साली की चुदाई करके बीवी को पड़ोसी से चुदवाया-2

“साली ने जीजू से चूत चुदवा ली तो दोनों बेचैन रहने लगे, चूत चुदाई का मौका ढूंढने लगे। एक बार साली घर में अकेली थी तो जीजू पहुँच गया साली की चूत चुदाई के लिए! ...”

Story By: sunny Verma (sunnyverma)
Posted: Saturday, March 11th, 2017
Categories: जीजा साली की चुदाई
Online version: साली की चुदाई करके बीवी को पड़ोसी से चुदवाया-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

साली की चुदाई करके बीवी को पड़ोसी से चुदवाया-2

अब उसके बाद मनस्वी और माधुरी की फोन पर रोज ही बातें होने लगी। पंखुड़ी को कुछ अंदाज नहीं था। मनस्वी आगरा रहता था और माधुरी दिल्ली, दोनों ही तड़फ रहे थे। अगले महीने माधुरी ने मनस्वी को बताया कि मोहित दो दिन के लिए चेन्नई जा रहा है। वो चाहती थी कि मनस्वी दिल्ली आ जाये पर मनस्वी अपना ऑफिस छोड़ कर जा नहीं सकता था, तो क्या करे!

मनस्वी ने एक ड्रामा बनाया, उसने पंखुड़ी को कहा कि उसे दिल्ली एक पार्टी से मिलना है इसलिए वो शाम को ऑफिस जल्दी बंद कर के 5 बजे दिल्ली जायेगा और रात को ही वापस आ जायेगा, अगर लेट हो गया तो होटल में रुक कर सुबह जल्दी आ जायेगा।

पंखुड़ी ने यह बात माधुरी को फोन पर बताई कि परसों तेरे जीजू दिल्ली आयेंगे पर शाम को ही आयेंगे और रात को ही वापस आ जायेंगे।
इस पर दिखावा करते हुए माधुरी नाराज हुई कि जीजू से कहना रात को मेरे पास रुकेंगे और सुबह चले जायेंगे।
माधुरी ने पंखुड़ी को यह नहीं बताया कि उस दिन मोहित भी नहीं होगा।

अब अपने प्लान से मनस्वी रात को 8 बजे दिल्ली पहुँच गया, माधुरी उसे बाहर ही मिली। क्या ग़ज़ब ढा रही थी माधुरी आज… उसने स्कर्ट और टाइट टॉप पहना था जिसमें उसके मम्मे बाहर आने को बेताब थे। हाई हील और ऑरेंज नेल पेंट में सजी वो कॉलेज गर्ल का लुक दे रही थी।

दोनों ने एक रेस्तराँ में खाना खाया और घूम फिर कर 10 बजे तक घर पहुंचे।
बीच में एक बार माधुरी ने पंखुड़ी को फोन करके पूछा कि मनस्वी कब तक आएगा और वो जरूर उसके घर ही ठहरे।
पंखुड़ी ने जब मनस्वी से पूछा कि वो कहाँ है तब मनस्वी ने कह दिया कि होटल में क्लाइंट के साथ हूँ, देखता हूँ कहाँ ठहरूंगा क्योंकि अब रात को तो आना संभव नहीं है।
इस पर पंखुड़ी ने मनस्वी से कहा- माधुरी के घर ही चले जाना, वर्ना वो बुरा मानेगी!

खैर दोनों लैला मजनूं घर पहुंचे और दरवाजा बंद होते ही चिपट गए। माधुरी तो मानों मनस्वी को खा जाना चाहती थी, दोनों के जिस्म से कपड़े उतरते चले गए और बेताबी इतनी कि बेडरूम तक जाने की भी जरूरत नहीं समझी और लॉबी में ही कपड़ों को अलविदा कह दिया गया, वहीं पड़ी सेट्टी पर दोनों गुत्थम गुत्था हो गए।

मनस्वी मजबूत कद काठी का था और माधुरी पतली… मनस्वी ने माधुरी को जांघों से उठा लिया और नीचे से अपना लंड उसकी चूत में पेल दिया।
माधुरी को यह स्टाइल बहुत पसंद आया, उसने भी अपनी बाहें मनस्वी के गले में डाल दी और चुदाई का मजा लेने लगी। उसने मनस्वी के कान में फुसफुसा कर कहा- जीजू, चलो बेडरूम में..

मनस्वी ने उसे नीचे उतार दिया और बेड रूम की ओर चल दिए।
माधुरी ने मनस्वी को बेड पर धक्का दिया और उसका मोटा लंड अपने मुँह में ले लिया, वो पागलों की तरह लंड को ऐसे चूस रही थी कि मानो लोलीपॉप हो।

मनस्वी छटपटा रहा था, उसने माधुरी को नीचे किया और उसकी चूत में अपनी जीभ घुसा दी। माधुरी की चूत तो बहुत गीली हो रही थी। अब मनस्वी को भी बर्दाश्त नहीं हो रहा था, उसने माधुरी की टांगों को ऊपर करके चौड़ा किया और अपने कंधे पर रख कर अपना लंड एक ही झटके नें अंदर पेल दिया।

अब तो माधुरी चीखने लगी- उम्म्ह… अहह… हय… याह… मजा आ गया जीजू.. तुम कहाँ थे अब तक.. आज मेरी चूत तो फाड़ ही डालोगे.. और जोर से करो ना जीजू…
यह हिंदी सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

मनस्वी की स्पीड राजधानी मेल से कम नहीं थी.. उसने एक जोर का धक्का लगते ही सारा माल माधुरी की चूत में ही भर दिया और अपना लंड माधुरी के मुँह में कर दिया।
माधुरी को एकबारगी तो ख़राब सा लगा पर उसने फटाफट मनस्वी का लंड चाट कर साफ़ कर दिया।
मनस्वी निढाल होकर बेड पर पड गया.. दोनों नंगे ही चिपट कर सो गए।

रात को 3 बजे मनस्वी की आँख खुली, माधुरी उसका लंड चूस रही थी.. मनस्वी को जगा देखकर माधुरी उसके ऊपर चढ़ गई और उसका लंड अपनी चूत में कर लिया और फुदक फुदक कर मनस्वी को चोदने लगी।

अब तक मनस्वी की भी नींद उड़ चुकी थी, उसने नीचे से धक्के देने शुरू कर दिए। सुबह के सेक्स का मजा कुछ और ही होता है। अब मनस्वी ने माधुरी को नीचे पलटा और घोड़ी बना कर उसकी गांड में लंड पेलना चाहा तो माधुरी दर्द से कराह गई, तो मनस्वी ने उसकी चूत में ही पेल दिया और आगे झुक कर उसके मम्मे मसलने लगा।

उसका लंड छूटने का नाम ही नहीं ले रहा था।

अब उसने माधुरी को नीचे लिटाया और उसकी टांगें ऊपर कर के पिलाई जोर से करनी शुरू की। अब दोनों हांफ रहे थे, एक झटके में ही मनस्वी ने अपना माल माधुरी की चूत और उसके मम्मों पर छोड़ दिया। माधुरी ने अपने मम्मे उसके वीर्य से मालिश की और अपनी उंगलियाँ चाट ली।

मनस्वी ने वाशरूम से टॉवल लाकर माधुरी का पेट और अपना लंड पौंछा और एक नींद लेने के लिए लेट गया।
सुबह दोनों साथ नहाये और नाश्ता करके मनस्वी 8 बजे तक निकल लिया।

जीजा साली की चूत चुदाई की कहानी अगले भाग में क्या रंग लाती है ?
enjoysunny6969@gmail.com

Other stories you may be interested in

मम्मीजी आने वाली हैं-5

स्वाति भाभी अब कुछ देर तो ऐसे ही अपनी चूत से मेरे लण्ड पर प्रेमरस की बारिश सी करती रही फिर धीरे धीरे उसके हाथ पैरो की पकड़ ढीली हो गयी। अपने सारे काम ज्वार को मेरे लण्ड पर उगलने […]
Full Story >>>

चाची की चूत और अनचुदी गांड मारी

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम रंजन देसाई है. मेरी उम्र 27 साल है और मैं कोल्हापुर, महाराष्ट्र का रहने वाला हूं. मैंने अन्तर्वासना पर बहुत सारी कहानियां पढ़ी हैं. ये मेरी पहली कहानी है जो मैं अन्तर्वासना पर लिख रहा हूं. […]
Full Story >>>

मेरी चूत को बड़े लंड का तलब

मैं सपना जैन, फिर एक बार एक नई दास्तान लेकर हाज़िर हूँ. मेरी पिछली कहानी बड़े लंड का लालच जिन्होंने नहीं पढ़ी है, उन्हें यह नयी कहानी कहां से शुरू हुई, समझ में नहीं आएगी. इसलिये आप पहले मेरी कहानी […]
Full Story >>>

मेरी गांड पहली बार कैसे चुदी

नमस्कार मेरे प्यारे अन्तर्वासना के साथियो, मैं लगभग 4 वर्षो से अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ। मैंने अन्तर्वासना की लगभग सारी कहानियां पढ़ी हैं। मुझे उनमें से सनी शर्मा की कहानियां बहुत पसंद हैं. अब मुझे लगता है कि मुझे […]
Full Story >>>

मम्मीजी आने वाली हैं-3

अपने मुंह को मेरे होंठों से अलग करके ‘क्या … है …’ कहते हुए स्वाति भाभी ने अब एक बार तो फिर से मेरी आँखों में देखा … फिर हंसकर अपना मुंह दूसरी तरफ घुमा लिया। मगर तब तक मैंने […]
Full Story >>>